https://www.kuonline.in

Roll No. ..... Total Pages : 5

MDE/M-20 **6003**

आधुनिक गद्य साहित्य

Paper–III

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड-क

1. किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) मुन्नी उसके पास से दूर हट गयी और आँखें तरेरती हुई बोली– कर चुके दूसरा उपाय। जरा सुनूँ तो कौन-सा उपाय करोगे? कोई खैरात दे देगा कम्मल? न जाने कितनी बाकी है, जों किसी तरह चुकने ही नहीं आती। मैं कहती हूँ, तुम क्यों नहीं खेती छोड़ देते? मर-मर काम करो, उपज हो तो बाकी दे दो, चलो छुट्टी हुई। बाकी चुकाने के लिए ही तो हमारा जन्म हुआ है। पेट के लिए मजूरी करो। ऐसी खेती से बाज आये। मैं रूपये न दूँगी, न दूँगी।

अथवा

मुहल्ले में सफेदपोशी और इज्जत होने पर भी चोर के लिए घर में कुछ न था। शायद एक भी साबित कपड़ा या बरतन ले जाने के लिए चोर को न मिलता; पर चोर तो चोर है। छिनने के लिए कुछ न हो, तो भी चोर का डर तो होता ही है। वह चोर जो ठहरा। चोर से ज्यादा फिक्र थी आबरू की। किवाड़ न रहने पर पर्दा ही आबरू रखवारा था। वह परदा भी तार-तार होते-होते एक रात आँधी में किसी भी हालत में

https://www.kuonline.in

लटकने लायक न रह गया। दूसरे दिन घर की एकमात्र पुश्तैनी चीज दरी दरवाजे पर लटक गयी।

(ख) हमें सुंदरता की कसौटी बदलनी होगी। अभी तक यह कसौटी अमीरी और विलासिता के ढंग की थी। हमारा कलाकार अमीरों का पल्ला पकड़े रहना चाहता था, उन्हीं की कद्रदानी पर उसका अस्तित्व अवलंबित था और उन्हीं के सुख-दुख, आशा-निराशा, प्रतियोगिता और प्रतिद्वन्द्विता की व्याख्या कला का उद्देश्य था। उसकी निगाह अंत:पुर और बँगलों की ओर उठती थी। झोंपड़े और खँडहर उसके ध्यान के अधिकारी न थे। उन्हें वह मनुष्यता की परिधि के बाहर समझता था। कभी इनकी चर्चा करता भी था तो इनका मजाक उड़ाने के लिए।

अथवा

प्रत्येक देश का साहित्य उस देश के मनुष्यों के हृदय का आदर्श रूप है। जो जाति जिस समय जिस भाव से परिपूर्ण या परिलुप्त रहती है वे सब उसके भाव उस समय के साहित्य की समालोचना से अच्छी तरह प्रगट हो सकते हैं। मनुष्य का मन जब शोक-संकुल, क्रोध से उद्दीप्त, या किसी प्रकार की चिन्ता से दोचिता रहता है तब उसकी मुखच्छवि तमसाच्छन्न, उदासीन और मलिन रहती है, उस समय उसके कण्ठ से जो ध्वनि निकलती है वह भी या तो फुटही ढोल समान बेसुरी, बेताल, बेलय या करुणापूर्ण तथा विकृत-स्वर-संयुक्त होती है।

(ग) मानव कब दानव से भी दुर्दांत, पशु से भी बर्बर, और पत्थर से भी कठोर, करुणा के लिए निरवकाश हृदय वाला हो

https://www.kuonline.in

https://www.kuonline.in

जाएगा, नहीं जाना जा सकता। अतीत सुखों के लिए शोच क्यों, अनागत भविष्य के लिए भय क्यों और वर्तमान को मैं अपने अनुकूल बना ही लूंगा, फिर चिंता किस बात की?

अथवा

प्रथम यौवन-मदिरा से मत, प्रेम करने की थी परवाह
और किसको देना है हृदय, चीन्हने की न थी तनिक चाह
बेच डाला था हृदय अमोल, आज वह मांग रहा था दाम
वेदना मिली तुला पर तोल, उसे लोभी ने ली बेकाम।

(3×7=21)

2. 'गोदान', भारतीय किसान जीवन का दस्तावेज है। इस कथन पर टिप्पणी कीजिए। 12

अथवा

प्रेमचन्द की नारी भावना पर प्रकाश डालिए।

3. 'मैला आंचल' उपन्यास की कथा वस्तु पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'मैला आंचल' उपन्यास में ग्राम्य जीवन में होने वाले राजनीतिक-आर्थिक परिवर्तनों के चित्रण पर प्रकाश डालिए।

4. 'पथ के साथी' के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 12

https://www.kuonline.in

अथवा

'पथ के साथी' के आधार पर रवींद्रनाथ टैगोर के व्यक्तित्व पर सारगर्भित लेख लिखिए।

5. किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणी कीजिए। प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में हो।

(क) राहुल सांकृत्यायन का परिचय।

(ख) भारतेंदु हरिश्चंद्र का साहित्यिक परिचय।

(ग) यशपाल की किसी एक कृति की मूल संवेदना।

(घ) बेचन शर्मा उग्र का साहित्यिक परिचय।

(ङ) अमृतलाल नागर के साहित्य की मूल संवेदना।

(च) माखनलाल चतुर्वेद का साहित्यिक योगदान।

(छ) अज्ञेय का साहित्यिक परिचय।

(ज) अमरकांत की किसी एक कृति का परिचय।

(झ) बालशौरी रेड्डी के साहित्यिक योगदान।

(ञ) मन्नू भंडारी का साहित्यिक परिचय। (5×3=15)

6. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'मैला आंचल' कब प्रकाशित हुआ?

(ख) 'गोदान' उपन्यास किस समस्या पर केंद्रित है?

(ग) चंद्रगुप्त नाटक में वर्णित तक्षशिला वर्तमान में किस देश में है?

https://www.kuonline.in

(घ) भारत-पाक विभाजन पर पाठ्यक्रम में कौन सी कहानी है?

(ङ) गजाधर बाबू का संबंध किस कहानी से है?

(च) 'गोदान' में मिल मालिक की खन्ना की पत्नी का क्या नाम है?

(छ) प्रेमचंद का साहित्य का उद्देश्य निबंध किस अवसर पर दिया गया भाषण है?

(ज) चंद्रगुप्त नाटक की दो नारी पात्रों के नाम लिखो।

(8×1=8)